Test Booklet No.
परीक्षा पुस्तिका संख्या

81356

This booklet contains 16 pages.
इस पुस्तिका में 16 पृष्ठ हैं ।

JBC – 12A

PAPER I / प्रश्न-पत्र I
PART IV & V / भाग IV & V
Sanskrit Language Supplement
संस्कृत भाषा परिशिष्ट

Test Booklet Code
परीक्षा पुस्तिका संकेत

H

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें ।

For instructions in Sanskrit see Page 2 of this booklet. / संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Parts I, II, III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue / Black Ball Point Pen only** for writing particulars on this page / marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **H**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part IV : Language I – (Sanskrit) *(Q. 91 to Q. 120)*
   Part V : Language II – (Sanskrit) *(Q. 121 to Q. 150)*
7. Part IV contains 30 questions for Language I and Part V contains 30 questions for Language II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language I and/or Language II is a language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part V (Language II) in a language other than the one chosen as Language I (in Part IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं** ।
2. परीक्षार्थी भाग I, II, III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से ।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं । भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं ।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें ।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **H**. यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य प्रश्न पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है । अगर यह भिन्न हो तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग IV : भाषा I — (संस्कृत) *(प्र. 91 से प्र. 120)*
   भाग V : भाषा II — (संस्कृत) *(प्र. 121 से प्र. 150)*
7. भाग IV में भाषा I के लिए 30 प्रश्न और भाग V में भाषा II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं । इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं । **यदि भाषा I और/या भाषा II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए । जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिएँ ।**
8. **परीक्षार्थी भाग V (भाषा II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो ।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें ।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें । अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें । उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है ।

SEAL

Name of the Candidate (in Capitals) : ______________________
परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :
Roll Number (अनुक्रमांक) : in figures (अंकों में) ______________________
: in words (शब्दों में) ______________________
Centre of Examination (in Capitals) : ______________________
परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :
Candidate's Signature : ______________ Invigilator's Signature : ______________
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : निरीक्षक के हस्ताक्षर :
Façsimile signature stamp of Centre Superintendent ______________________

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति ।

JBC – 12A

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

H

प्रश्नपत्रम् I

भागाः IV एवं V

संस्कृत भाषा परिशिष्टम्

यावन्न न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया ।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः ।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टम् तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृत** भाषया दातुमिच्छन्ति, **न तु द्वयोः भागयोः** ।
2. परीक्षार्थिभिः I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः ।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः । भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथकृतया याचितुं शक्यन्ते ।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील/कृष्णवर्णिकायाः बाल पाइन्ट लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः ।
5. अस्याः भाषा पुस्तिकायाः संकेतकं **H** वर्तते । एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् उत्तरपत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति । एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु ।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्तः – IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :
भागः IV : भाषा I — (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)*
भागः V : भाषा II — (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)*
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति । अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृत भाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति । **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया । यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदन पत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत् ।**
8. **परीक्षार्थिभिः भाग V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात् ।**
9. रफ़ कार्य परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम् ।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि । सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम् । उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः ।

परीक्षार्थिनः नाम : ______________________

अनुक्रमाङ्कः : अङ्केषु ______________________

: शब्देषु ______________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ______________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ______________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ______________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ______________________

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-भागस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि तदैव दद्युः यदि तैः **भाषा – I** विकल्पे **संस्कृतं** चितं स्यात् ।

भागः IV
भाषा I
संस्कृतम्

निर्देशः : सर्वाधिकं समीचीनं विकल्पं चित्वा निम्नलिखितप्रश्नानाम् उत्तरं दीयताम् ।

91. छात्राणां भाषणकौशल-विकासार्थं ध्वनिक्रमस्य उपयोगः कथं करणीयः ?

(1) भाषणयुक्त-श्रुतलेखद्वारा

(2) व्यंग्यचित्राणां अथवा अन्य-दृश्यसामग्र्याः प्रयोगद्वारा

(3) मूलतत्त्वाधारित-कथायाः विवरण-कथा द्वारा

(4) अभिसंचित-ध्वनि-श्रवण-पश्चात् श्रुतसामग्रीमाधारीकृत्य व्याख्याद्वारा अथवा कथाकथनद्वारा

92. "एकालाप" – द्वारा त्रयाणां उपकौशलानाम् आकलनं क्रियते

(1) स्वरलहरी (Tone), ध्वनिगुणः, गतिः

(2) ध्वनिगुणः, शैली, वक्तुः प्रस्तुतिः

(3) वक्त्रानुमानम्, स्वरलहरी, सन्दर्भः

(4) भावभङ्गिमा, वक्त्रानुमानम्, वक्तुः प्रस्तुतिः

93. भाषा-अर्जनदृष्ट्या असम्यक् परिवेषेण अभिप्रायः अस्ति

(1) लक्ष्यभाषायाः प्रयोगः न क्रियते

(2) यदाकदा अनुवादस्य अपि साहाय्यं स्वीक्रियते

(3) कक्षायां छात्राः अपि सक्रिया भवन्ति

(4) लक्ष्यभाषापाठनसमये मातृभाषायाः प्रयोगः यदाकदा क्रियते

94. द्वन्द्वसमासस्य उदाहरणम्

(1) पीताम्बरः

(2) नीलोत्पलम्

(3) रामकृष्णौ

(4) राजपुरुषः

95. परिप्रश्नेन अधिगमनेन अभिप्रायः अस्ति

(1) व्याख्यासमये सार्थकध्वनीनां उच्चारणम्

(2) प्रश्नैः समस्यानां समाधानस्य प्रयासः

(3) भाषाशिक्षणार्थं सिद्धान्त-प्रतिपादनम्

(4) व्यवस्थितरूपेण विषयसामग्र्याः प्रस्तुतिः

96. भाषाशिक्षणार्थं महत्त्वपूर्ण-अवस्था अस्ति

(1) यदा विद्यार्थिनः तार्किक-चिन्तनयुक्ताः भवन्ति

(2) यदा छात्राः अर्थप्राप्त्यर्थं शब्दकोशान् द्रष्टुं समर्थाः भवन्ति

(3) यदा छात्राः प्रश्नान् प्रष्टुं समर्थाः भवन्ति

(4) यदा बालाः भाषार्जने सक्षमाः भवन्ति

97. सारांशं लेखितुम् आवश्यके द्वे कौशले स्तः ।

(1) स्वशब्दैः पाठ्यवस्तुनः पुनर्लेखनम्

(2) मुख्यं सामान्यं च बिन्दु-संज्ञानम्

(3) सम्यक् लेखने योजकानां प्रयोगः

(4) शब्दानां स्थाने संकेतानां प्रयोगः सम्यक्लेखनम्

98. यदा छात्राः कालस्य अवधारणं अवगन्तुं समर्थाः न भवन्ति तदा उपचारात्मकं कार्यं किं भविष्यति ?

(1) सम्बद्धसूत्राणां रटनम्

(2) संबद्धलंकाराणाम् अभ्यासः

(3) सन्दर्भानुगुणं भाषाभ्यासः

(4) लकारानुगुणं रूपाणां पुनः पुनः स्मरणम्

99. सततव्यापकमूल्याङ्कनान्तर्गते

(1) छात्राः सर्वदा आनन्देन कार्यनिमग्नाः भवन्ति

(2) छात्राः शैक्षणिकभारं अधिकं निर्वहन्ति

(3) छात्राः पूर्णतया अध्यापकानां नियन्त्रणे सन्ति

(4) छात्राणां मूल्याङ्कनाकलनं नियमितरूपेण क्रियते

100. सृजनात्मकपठनस्य उदाहरणम्

(1) संबद्धसूचनार्थं अन्तर्जाल दर्शनम्

(2) भिन्नदृष्टिकोणेन नाटकीकरणम् भूमिका-निर्वहणम् पुनर्लेखनं च

(3) अर्थप्राप्त्यर्थं वाचनम्

(4) परामर्शनकार्यं ग्रन्थालये अधिकं करणीयम्

101. विहङ्गम-दृष्ट्या (skimming) पठनेन अभिप्रायः अस्ति

(1) विशिष्टम् अर्थं अथवा सूचनां प्राप्तुं संपूर्ण-पाठ्यवस्तुनः गभीरतया पठनम्

(2) लिखितसामग्र्या सार्थकसूचनां प्राप्तुं पठनम्

(3) पठितसामग्र्या विचारार्थं निहितार्थं सूचनार्थं च निर्णयः

(4) सामान्य-भावार्थं विचारं अथवा सारं प्राप्तुं पाठ्यवस्तुनः शीघ्रतया पठनम्

102. पाठ्यवस्तु समग्रता इत्यनेनाभिप्रायः अस्ति

(1) कस्मिंश्चित् अनुच्छेदे प्रदत्त-सूचनानुगुणं प्रस्तुतीकरणम्

(2) दीर्घ-अनुच्छेदात् सूचनालेखनम्

(3) विभिन्न-अनुच्छेदेषु वाक्येषु वा परस्परं संबद्धतां दर्शितुं सर्वेषां नामपदानां प्रयोगः

(4) कथावर्णनानुगुणं अनुच्छेदव्यवस्था

103. अधिकृतश्रवणेन अभिप्रायः अस्ति

(1) सा परिस्थितिः यदा श्रवणसत्रे संपूर्ण-कार्यं करोति

(2) संभाषणरूपेण अथवा अभिलेखनरूपेण स्वाभाविक संभाषण-श्रवणम्

(3) अध्यापक द्वारा उच्चैः पठितसामग्र्याः अथवा संभाषित-सामग्र्याः सावधानश्रवणम्

(4) विशिष्टसूचनां प्राप्तुं अवधानपूर्वक-श्रवणम्

104. लेखनं भाषणात् भिन्नं अस्ति

(1) लेखने गतिविधि-आधारित प्रवाहः अधिकं भवति

(2) लेखने व्याकरणात्मक संरचनायाः अधिक-संबन्धः न भवति

(3) लेखनं प्रायः मुक्तं भवति

(4) लेखने पुनरावृत्त्या अथवा संक्षेपीकरणस्य न्यूनता भवति

105. कस्यामपि संस्कृतकक्षायां अधिकाधिकं संस्कृतप्रयोगेन लाभः भवति ?

(1) सहजसंस्कृतप्राप्त्यर्थं संस्कृतपरिवेशस्य निर्माणं भवति

(2) छात्राः शब्दार्थान् प्राप्नुवन्ति

(3) श्रुतलेखनस्य अभ्यासार्थम् आवश्यकं सोपानमिदम्

(4) छात्रः व्याकरण-ज्ञानं सुगमतयावगच्छन्ति

निर्देशः : अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या 106 – 111) विकल्पात्मकोत्तरेषु समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

येषां न विद्या न तपो न दानं,
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः ।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः,
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।।

106. ते मनुष्याः भूमौ भारः एव सन्ति

(1) ये विद्याहीनाः

(2) ये ज्ञानिनः

(3) ये परिश्रमशीलाः

(4) ये दानशीलाः

107. अस्मिन् श्लोके 'भुवि' इति पदस्य विशेषणपदमस्ति

(1) चरन्ति

(2) मर्त्यलोके

(3) धर्मः

(4) गुणः

108. "मृगाश्चरन्ति" इति पदस्य सन्धिविच्छेदः अस्ति

(1) मृगः + चरन्ति

(2) मृगाश् + चरन्ति

(3) मृगाः + चरन्ति

(4) मृगा + चरन्ति

109. "येषाम्" इतिपदस्य विभक्तिः अस्ति

(1) षष्ठी

(2) तृतीया

(3) प्रथमा

(4) सप्तमी

110. 'भूत' इति पदे प्रत्ययः अस्ति

(1) क्त

(2) ताः

(3) क्तवतु

(4) क्तः

111. निम्नलिखितेषु किं पदं नपुंसकलिङ्गे अस्ति ?

(1) गुणः

(2) मृगः

(3) तपः

(4) विद्या

निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदनन्तरं प्रदत्तप्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या 112 – 120) विकल्पात्मकोत्तरेषु समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

कस्मिंश्चिदरण्ये वसति स्म कोऽपि सिंहः । पर्वतस्य गुहायां सः दिवा अस्वपत् रात्रौ च वने इतस्ततः परिभ्रमन् पशूनभक्षयत् । कदाचित् प्रभूतमाहारं कृत्वा अयं सिंहः कस्यचित् वृक्षस्य छायायां सुखेन अस्वपत् । ततः बहवः मूषकाः बिलात् निर्गत्य सानन्दं सिंहस्य शरीरे अनृत्यन् इतस्ततः । तेन पीडितः सिंहः प्रबुद्धः अभवत् । तं प्रबुद्धं दृष्ट्वा पलायन्ते सर्वे मूषकाः बिलम् । तेषां कमपि मूषकमगृह्णात् सिंहः करतलेन । तदा सः

मूषकः आर्तस्वरेण अवदत् – 'भो महाराज ! त्वं किल पशूनां राजा । प्रसिद्धः तव पराक्रमः । अहं तु क्षुद्रः जन्तुः । मम अपराधं तावत् क्षमस्व । मां मा जहि । मयि दयां कुरु । कदाचिदहं करिष्यामि तव साहाय्यम् ।' इति । एतद् तस्य आर्तवचनं श्रुत्वा सिंहः तममुञ्चत् ।

112. मूषकाः कुतः निर्गच्छन्ति स्म ?

(1) बिलात्

(2) गुहातः

(3) वनात्

(4) वृक्षमूलात्

113. मूषकाः कुत्र नृत्यन्ति स्म ?

(1) बिले

(2) सिंहस्य शरीरे

(3) गुहायाम्

(4) वृक्षोपरि

114. सिंहः एकं मूषकं केन अगृह्णात् ?

(1) पादेन

(2) बाहुबलेन

(3) करतलेन

(4) दण्डेन

115. 'जहि' इति क्रियापदस्य लकारः अस्ति

(1) लट् लकारः

(2) लङ् लकारः

(3) लृट् लकारः

(4) लोट् लकारः

116. 'कस्मिंश्चिदरण्ये' पदस्य सन्धिच्छेदः अस्ति

(1) कस्मिश्चित् + अरण्ये

(2) कस्मिंश्चित् + अरण्ये

(3) कस्मिन् + चिद + रण्ये

(4) कस्मिन् + अरण्ये

117. 'मयि' इति पदे विभक्तिः अस्ति

(1) तृतीया

(2) सप्तमी

(3) पञ्चमी

(4) सम्बोधनम्

118. सिंहः केन पीडितः आसीत् ?

(1) मूषकाणां नृत्येन

(2) धावनेन

(3) मूषकेन

(4) बुभुक्षया

119. 'निर्गत्य' इति पदे लकारः अस्ति

(1) ल्यप्

(2) क्त

(3) तुमुन्

(4) क्त्वा

120. 'अत्र-तत्र' इत्यर्थे किम् अव्ययपदं प्रयुक्तम् ?

(1) इतस्ततः

(2) किल

(3) मा

(4) कदाचित्

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-भागस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि तदैव दद्युः यदि तैः **भाषा – II** विकल्पे **संस्कृतं** चितं स्यात् ।

→

भागः V
भाषा II
संस्कृतम्

निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां प्रदत्तेषु (प्रश्नसङ्ख्या 121 – 126) समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

महर्षेः आरुणेः पुत्रः श्वेतकेतुः आसीत् । द्वादशवर्षीयं तं पुत्रं पिता आरुणिः उवाच – हे श्वेतकेतो ! गुरुं प्रति गच्छ अध्ययनार्थं यतः सौम्य ! अस्मत्कुलीनः अनधीत्य न भवति इति । सः पुत्रः आचार्यम् उपेत्य यावत् चतुर्विंशतिवर्षीयः अभवत् तावत् सः सर्वान् वेदान् सार्थान् अधीत्य पितुः सकाशम् आगच्छत् । सः च 'सर्वश्रेष्ठः अहम्' इति मन्यमानः उद्धतस्वभावः अभवत् । एवंभूतं पुत्रं दृष्ट्वा पिता उवाच – हे श्वेतकेतो ! कः ते उपाध्यायात् अतिशयः प्राप्तः येन त्वं कुलाननुरूपम् उद्धतः असि ? जानासि किं तत् येन श्रुतेन अन्यत् अश्रुतम् अपि श्रुतं भवति, अमतं मतं, अविज्ञातं च विज्ञातं भवति इति । एतद् अद्भुतं प्रश्नं श्रुत्वा पृच्छति – कथम् इति !

121. उद्धतस्वभावः कः अभवत् ?

(1) उपाध्यायः

(2) पिता

(3) आरुणिः महर्षिः

(4) श्वेतकेतुः

122. 'मन्यमानः' इति पदे प्रत्ययः अस्ति

(1) शतृ

(2) अनीयर्

(3) शानच्

(4) क्तवतु

123. 'उवाच' इति क्रियापदस्य कर्तृपदम् अस्ति

(1) श्वेतकेतुः

(2) पिता

(3) त्वम्

(4) गुरुः

124. 'पितुः' इति पदे विभक्तिः अस्ति

(1) पञ्चमी

(2) चतुर्थी

(3) षष्ठी

(4) द्वितीया

125. 'गच्छ' इति क्रियापदे लकारः अस्ति

(1) लोट्

(2) लृट्

(3) लट्

(4) विधिलिङ्

126. 'उद्धतस्वभावः' पदे समासः अस्ति

(1) तत्पुरुषः

(2) बहुव्रीहिः

(3) द्वन्द्वः

(4) अव्ययीभावः

निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां प्रदत्तेषु (प्रश्नसङ्ख्या 127 – 135) समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

सम्प्रति शिक्षासंस्थासु प्रचलितस्य संस्कृतशिक्षणविधेः अयं परिणामः दृश्यते यत् बहूनि वर्षाणि संस्कृतम् अधीत्य अपि संस्कृतच्छात्राः संस्कृतभाषया एव स्वविचारान् प्रकटयितुम् असमर्थाः । लेखने अपि तेषां नैपुण्यं न दृश्यते । कारणं किम् ? स्पष्टमेव यत् प्रचलितविधिषु संस्कृतं संस्कृतेन न पाठ्यते । अपितु अन्यभाषया । 'संस्कृतपाठ्यपुस्तकगतपाठानाम् अनुवादः' एव संस्कृतशिक्षणस्य उद्देशः इति स्वीकृतः । छात्राः संस्कृतेन सम्भाषणस्य संस्कृतश्रवणस्य वा अवसरान् एव न प्राप्नुवन्ति । कुत्र तदा संस्कृतशिक्षणम् ? स्पष्टमेव यत् इदं संस्कृतशिक्षणम् न । महान् चिन्तायाः विषयः एषः । 'संस्कृतपाठनविधौ एषः दोषः दूरीकरणीयः एव' इति अस्माकम् एकं महत्त्वपूर्णं कर्तव्यम् ।

127. संस्कृतशिक्षणाय किम् आवश्यकम् ?

(1) सम्भाषणम्

(2) नियमस्मरणम्

(3) शब्दार्थलेखनम्

(4) अनुवादकार्यम्

128. 'अधुना' इत्यर्थे अत्र किं पदं प्रयुक्तम् ?

(1) एव

(2) यत्

(3) इति

(4) सम्प्रति

129. अद्यत्वे संस्कृतपाठनार्थं प्रायः कस्याः भाषायाः प्रयोगः माध्यमरूपेण न क्रियते ?

(1) आङ्गलभाषायाः

(2) क्षेत्रीयभाषायाः

(3) संस्कृतभाषायाः

(4) हिन्दी-भाषायाः

130. 'अधीत्य' इति पदे कः उपसर्गः ?

(1) य

(2) ई

(3) अधि

(4) ल्यप्

131. अस्मिन् अनुच्छेदे 'दृश्यते' इति क्रियापदस्य किं कर्तृपदं प्रयुक्तम् ?

(1) लेखने

(2) नैपुण्यम्

(3) छात्राः

(4) तेषां

132. 'कर्त्तव्यम्' इति पदे कः प्रत्ययः ?

(1) तव्य

(2) क्तवतु

(3) तव्यत्

(4) अनीयर्

133. अत्र 'क्त' प्रत्ययः कस्मिन् पदे प्रयुक्तः ?

(1) स्वीकृतः

(2) अधीत्य

(3) महत्त्वम्

(4) अपितु

134. अत्र संधियुक्तं पदं किम् ?

(1) संस्कृतपाठ्यपुस्तकगतपाठानाम्

(2) अन्यभाषया

(3) पाठनविधौ

(4) संस्कृतच्छात्राः

135. 'संस्कृतशिक्षणम्' इति पदे कः समासः ?

(1) तत्पुरुषः

(2) बहुव्रीहिः

(3) द्विगुः

(4) अव्ययीभावः

निर्देशः : सर्वाधिकं समीचीनं विकल्पं चित्वा निम्नलिखितप्रश्नानाम् उत्तरं दीयताम् ।

136. भाषा-अधिगमनार्थं अभिवृद्धिनिर्माणहेतोः आवश्यकमस्ति

(1) प्रायोजनात्मकं कार्यं तदधिकृत्य परिचर्चा अनुभवानां च मित्रैः सह आदानं प्रदानं च

(2) विषमपरिस्थितीनां निर्माणं तस्मिन् च सामूहिकं कार्यम्

(3) संस्कृतकालांशे प्रधानाचार्यस्य अनुमत्या उद्यानविहारः

(4) गीतगायनम् कलात्मकं कार्यं च

137. भाषा-अर्जनेन संबद्धम् अस्ति

(1) व्याकरण-संबद्ध-अवबोधनम् विश्लेषणं च

(2) भाषा-परिवेशनिर्माणेन सहजभाषा-अधिग्रहणम्

(3) व्यवस्थानुगुणं पाठ्यपुस्तकपाठनम् येन छात्राः स्वप्रयासैः गृहकार्यं कर्तुं समर्थाः भवेयुः

(4) कण्ठस्थीकरणम् पश्चात् आवश्यकशब्दप्रयोगाः च

138. प्राथमिकस्तरे वाचनक्षमतायाः आकलनार्थं प्रभावशाली विधिः अस्ति

(1) कथाधारितं लिखितं कार्यम्

(2) पठितसामग्रीमधिकृत्य साक्षात्कारः

(3) सारलेखन-संबद्धं प्रायोजनात्मकं कार्यम्

(4) शब्दार्थमधिकृत्य भाषाक्रीडा

139. पाठ्यचर्याविकासस्य सोपानक्रमः अस्ति

(1) पाठ्यवस्तुचयनं, आवश्यकतायाः आकलनम् लक्ष्यनिर्धारणं, मूल्याङ्कनं च

(2) आवश्यकताविश्लेषणं, लक्ष्यनिर्धारणं, पाठ्यवस्तु चयनम् आकलनं च

(3) लक्ष्यनिर्धारणं, आवश्यकतयाः आकलनं, मूल्यांकनं पाठ्यवस्तुचयनम्

(4) उद्देश्य निर्धारणम्, आवश्यकतायाः आकलनम्, पाठ्यवस्तुचयनं मूल्याङ्कनम् च

140. वैविध्यपूर्णानुभवानां कृते कः उत्तमः मार्गः ?

(1) काल्पनिकः शब्दः

(2) प्रदर्शनफलकम् छायाचित्रम् च

(3) अधिकाधिकं अतिरिक्त-पठनसामग्री

(4) वास्तविकानि वस्तूनि

141. संगणक-साहाय्येन अनुदेशनान्तर्गते प्रतिरूपणात्मकं प्रतिमानं इत्यनेन अभिप्रायः अस्ति

(1) यत्र छात्राः अधिकाधिक-सूचनां प्राप्नुवन्ति प्रश्नान् च उत्तरन्ति

(2) अधिकाधिकं अभ्यसन्ति

(3) समस्यानां समाधानं प्राप्तुं प्रयासं कुर्वन्ति

(4) यत् छात्राः जीवनस्य यथार्थमनुभवन्ति

142. श्रवणप्रेरकेन अभिप्रायः अस्ति

(1) निर्दिष्टसूचनानुगुणं छात्रवर्गीकरणम्

(2) समीक्षाटिप्पण्यर्थं श्रवणम्

(3) कार्यस्य पूर्णतायाः प्रस्तुतेः च कृते छात्राणां श्रवणकौशलस्य क्षमतायाः विकासः

(4) श्रुतसामग्र्याः अवबोधनार्थं छात्रवर्गीकरणम्

143. भाषण-आकलनसमये अन्तःक्रियात्मकता अन्तःक्रियात्मकं कार्यं कृतवती इत्यनेन अभिप्रायः अस्ति

(1) विद्यालयस्य अथवा परिवेशस्यवर्णनम्

(2) अन्यैः सह दूरभाषपरिचर्चा

(3) विभिन्नवस्तूनाम् अथवा स्थानानां अथवा प्रघटनानां तुलनम्

(4) अर्थप्राप्त्यर्थं निजस्य अन्येषां वा प्रतिभागं गृहीतु प्रयासः

144. लेखनकौशलस्य अभ्यासार्थं महत्त्वपूर्णमस्ति

(1) सारांशलेखनम्

(2) व्याकरणाभ्यासः

(3) वाचनाभ्यासः

(4) टिप्पणीस्वीकरणम्

145. व्याकरणक्रीडासु जागरूकता–उद्बोधनार्थं किमावश्यकम् ?

(1) प्रदत्त-गतिविधि-समापनार्थं परस्परं सहयोगः

(2) विभिन्नसन्दर्भेषु भाषाप्रयोगस्य अवसरः

(3) निर्दिष्टलक्ष्यमधिकृत्य संप्रेषणात्मकं कार्यम्

(4) पठित-भाषासंरचनासन्दर्भे गहनचिन्तनम्

146. भर्तृहरिरचितं वाक्यपदीयं संबद्धमस्ति

(1) अष्टाध्यायी-सूत्रव्याख्यया

(2) महाभाष्यस्य व्याख्यया

(3) व्याकरणदर्शनेन

(4) काव्य-शास्त्र-सिद्धान्तेन

147. पाठ्यचर्यायाः "ऊर्ध्वगामि प्रतिमानम्" इत्यनेन अभिप्रायः अस्ति

(1) छात्राः मुक्तवातावरणे वैविध्यपूर्णगतिविधिषु भागं स्वीकृत्य पठेयुः

(2) छात्राः भविष्योन्मुखि-विषयान् पठेयुः

(3) आवश्यकता-आधारित-दूरगामि शिक्षणमिति

(4) छात्राः मुक्ततया आनन्दपूर्वकं किमपि पठेयुः

148. मानवतावादी उपागमः इत्यनेन अभिप्रायः अस्ति

(1) नूतनसंदर्भेषु अधिगत-सामग्रीणां-संकल्पनानां-सिद्धान्तानां अनुप्रयोगः

(2) अन्वेषणात्मकी प्रक्रिया

(3) अधिगत-संकल्पनानां प्रस्तुतीकरणम्

(4) विशिष्टलक्षणयुक्त-विभिन्न-शैक्षिक-विषयेषु नैपुण्यम्

149. विशिष्ट-आवश्यकता-कक्ष्या इति संबद्धा भवति

(1) पृथक् व्यवस्थित-कक्ष्यया

(2) विभिन्नयोग्यतायुक्तच्छात्र-कक्ष्यया

(3) अतिरिक्त-अध्यापकयुक्त-व्यवस्थया

(4) सुसज्जित-कक्ष्या-व्यवस्थया

150. पूर्ववाचनगतिविधिः इत्यस्य प्रमुखोद्देशः अस्ति

(1) छात्राणां ज्ञानवृद्धिः

(2) पाठे रुचिवर्धनम्

(3) आनन्दप्रदानाम् अनुभवानां ज्ञानम्

(4) नूतनशब्दानां पाठनम्

SPACE FOR ROUGH WORK

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीयाः

1. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकायाः पृष्ठे-2 केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण नील/कृष्णवर्णिकया बाल पाइन्ट लेखन्या प्रपूरणीयम् । एकवारम् उत्तरांकनानन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते ।

2. परीक्षार्थिभिः उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम् । परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत् ।

3. परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः । कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव ।

4. परीक्षापुस्तिकायाम् उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया ।

5. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्रीं कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति ।

6. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम् ।

7. अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य व अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम् ।

8. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा । यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः । इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम् ।

9. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः ।

10. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः । अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव ।

11. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः ।

12. **परीक्षासमादयनन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति ।** ***परीक्षार्थिनः इमाम् उत्तरपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः ।***

READ CAREFULLY THE FOLLOWING INSTRUCTIONS :

1. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Blue/Black Ball Point Pen on Side-2 of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
2. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
3. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
4. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet / Answer Sheet in the Attendance Sheet.
5. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
6. Each candidate must show on demand his / her Admission Card to the Invigilator.
7. No candidate, without special permission of the Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.
8. The candidates should not leave the Examination Hall without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet a second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case.
9. Use of Electronic / Manual Calculator is prohibited.
10. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
11. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
12. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room / Hall. *The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

निम्नलिखित निर्देश ध्यान से पढ़ें :

1. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन से भरें । एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है ।
2. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ । परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें ।
3. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी ।
4. परीक्षा पुस्तिका / उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाज़िरी-पत्र में लिखें ।
5. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश कार्ड के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, काग़ज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है ।
6. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-कार्ड दिखाएँ ।
7. अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें ।
8. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं हाज़िरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेंगे । यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाज़िरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा ।
9. इलेक्ट्रॉनिक / हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है ।
10. परीक्षा-हॉल में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं । अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा ।
11. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें ।
12. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष / हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र कक्ष-निरीक्षक को अवश्य सौंप दें । *परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं ।***